प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

मधुमेंह-वर्तमान परिपेक्ष्य एवं प्रबंधन विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

पंतनगर। 22 सितम्बर 2020। पंतनगर विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंती वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर दिल्ली डायबिटिक फोरम के संयुक्त तत्वाधान द्वारा 'मधुमेह : वर्तमान परिपेक्ष्य एंव प्रबंधन' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी के आहवाहन पर पोषण अभियान 'सही पोषण-देश रौशन' के अन्तर्गत मधुमेह एवं इसके प्रबंधन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया।

अधिष्ठात्री, गृह विज्ञान, डा. अल्का गोयल ने बताया कि वर्तमान समय में मधुमेह रोग बहुत तेजी से बढ़ रहा है, जिससे विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे महामारी के रूप में घोषित किया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1990 में देश की 26 मिलियन जनसंख्या इस रोग से प्रभावित थी जो वर्ष 2016 में 65 मिलियन तथा 2025 में दोगुने हो जायेगी। डा. गोयल ने बताया कि मधुमेह रोग के लक्षण एंव रोकथाम की जानकारी होना भी अति आवश्यक है।

लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, दिल्ली के प्रेसिडेन्ट, डा. अनुपम प्रकाश, ने बताया कि वर्तमान में कोविड महामारी के समय में मधुमेह का नियंत्रण और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है क्योंकि कोविड-19 मधुमेह रोगियों के लिए जानलेवा हो सकता है। उन्होंने कहा कि मधुमेह को घरेलू खान-पान के द्वारा नियत्रिंत किया जा सकता है। दिल्ली डायबिटिक फोरम की पूर्व अध्यक्ष, डा. पिक्की सक्सेना ने गर्भवती महिलाओं में मधुमेह रोग के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि मधुमेह का दूषप्रभाव नवजात शिशुओं पर पड़ता है, इसलिए गर्भवती महिला को अपने खान-पान एवं शारीरिक व्यायाम पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रोफेसर एंव विभागध्यक्ष, खाद्य एंव पोषण विभाग, डा. सरिता श्रीवास्तव, ने बताया कि निम्न ग्लाइसोमिक इंडेक्स वाले खाद्य प्रदार्थ मोटापा कम करने, खून में शर्करा की मात्रा नियंत्रित करने, कोलेस्ट्रोल कम करने एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाने में सहायक है। उन्होंने बताया कि मधुमेह के दौरान आहार में मोटे अनाज, फाइबर युक्त अनाज तथा दूध एंव दूध से बने पदार्थ और फलों को शामिल करने की सलाह दी। प्रोफेसर एंव विभागध्यक्ष, खाद्य एंव पोषण विभाग, गृह विज्ञान महाविद्यालय, डा. प्रतिमा अवस्थी ने मधुमेह नियन्त्रण में जीवन शैली में परिवर्तन करने के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त प्रोफेसर मेडिसिन एंव विभागध्यक्ष, डा. एस. वी. कालरा; पूर्व प्रेसिडेन्ट, दिल्ली डायबिटिक फोरम, डा. राजीव गुप्ता एवं विभागाध्यक्ष मेडिसन विभाग, संतोष मेडिकल कॉलेज, गाजियाबाद, डा. अशोक कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

इससे पूर्व आहार विशेषज्ञ एंव विभागध्यक्ष, खाद्य एंव पेय विभाग, सी.एल.एच. हास्पिटल समूह, गाजियाबाद, कु. अर्चना गुप्ता, ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत कर कार्यक्रम की रूप-रेखा बतायी। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, गुजरात आदि राज्यों से लगभग 100 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। आयोजन में सहायक प्राध्यापिका, डा. नीतू डोभाल एवं कु. अर्चना गुप्ता का सहयोग रहा।

विभागध्यक्ष, खाद्य एंव पेय विभाग, सी.एल.एच. हास्पिटल समूह, गाजियाबाद, कु. अर्चना गुप्ता, एवं लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, दिल्ली के प्रेसिडेन्ट, डा. अनुपम प्रकाश